शिव श्रवण कल्प – श्रावण मास – 30 जुलाई 2026 से 28 अगस्त 2026

शिव है स्थिरता का स्वरूप और शक्ति है गति का स्वरूप...
शिव है शांति का स्वरूप और शक्ति है क्रांति का स्वरूप...
शक्ति है मनोकामना का स्वरूप
जो सदैव मिलना चाहती है शिव से जो है अमृत का स्वरूप

अधूरी मनोकामनाएं अग्नि है और शिव है उस अग्नि को शांत कर जीवन में अमृतरस प्रवाह करने वाले महादेव

जहां शिव है वहां शक्ति अवश्य है और जहां शक्ति है वहां शिव अवश्य है इसीलिये शिव का पूर्ण स्वरूप है महामृत्युंजय अर्द्धनारीश्वर स्वरूप।

घुट-घुट कर जीने का नाम है - मृत्यु
दुर्बल, व्याधि युक्त जीवन जीने का नाम है - मृत्यु
बाधाओं से भागने का नाम है - मृत्यु
जीवन में अवसर मिलने पर भी आलस्य के कारण कर्म न करने का भाव है - मृत्यु

इस मृत्यु रूपी भय से मुक्ति हेतु शक्ति से युक्तकर भक्त को आशीर्वाद प्रदान करते है

महामृत्युंजय सदाशिव

ॐ ह्रौं जूं सः
ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।

रसेश्वर महामृत्युंजय दीक्षा

महामृत्युंजय दीक्षा से साधक के भीतर ओजस्विता, तेजस्विता, शौर्य और पौरुष का संचार होता है। सद्गुरु से महामृत्युंजय दीक्षा प्राप्त करने के पश्चात् ही शिव साधना, मंत्र जप, अनुष्ठान आदि में शीघ्र सफलता प्राप्त होती है। - महामृत्युंजय दीक्षा न्यौछावर (प्रति चरण) - 3100/-